वैभव फैलोशपि

प्रलिम्सि के लयि:

[वज्ञािन और प्रौद्योगिकी वभिाग](DST), **वैश्वकि भारतीय वैज्ञानकि योजना**, **वजिटिगि एडवांस्ड ज्वाइंट रसिर्च फैकल्टी (VAJRA) योजना**, [अनविासी भारतीय](NRI)

मेन्स के लयि:

भारत की तकनीकी प्रगति में भारतीय प्रवासयिों का योगदान।

[स्रोत: द हदिू]

चर्चा में क्यों?

[वज्ञािन और प्रौद्योगिकी वभिाग](DST) ने हाल ही में **वैश्वकि भारतीय वैज्ञानकि (VAIBHAV) योजना** के तहत फेलो के पहले समूह का अनावरण कयिा, यह एक रणनीतकि पहल है जसिका उद्देश्य **वदिेश में स्थति भारतीय मूल के वैज्ञानकिों के साथ अल्पकालकि सहयोग को बढ़ावा** देना है।

- वर्ष 2018 में शुरू की गई **वजिटिगि एडवांस्ड ज्वाइंट रसिर्च फैकल्टी** (VAJRA) योजना और वैभव योजना के बीच काफी समानताएँ हैं।

वैभव योजना क्या है?

- **परचिय:**
  - भारत सरकार ने **वज्ञािन, प्रौद्योगिकी, इंजीनयिरगि, गणति और चकित्सा** (STEMM) तथा [भारतीय शैक्षणकि एवं अनुसंधान संस्थानों] में भारतीय डायस्पोरा के बीच सहयोग की सुवधिा हेतु **वैश्वकि भारतीय वैज्ञानकि (VAIBHAV/वैभव) नामक एक नया फैलोशपि कार्यक्रम** शुरू कयिा है।
  - सहयोगात्मक कार्यों के लयि वैभव फेलो **भारतीय संस्थान की पहचान करके अधकितम 3 वर्षों के लयि एक वर्ष में दो माह तक वहाँ रहकर कार्य कर** सकते हैं।
    - वैभव फेलो से अपने भारतीय समकक्षों के साथ सहयोग करने एवं वज्ञािन और प्रौद्योगिकी के अत्याधुनकि क्षेत्रों में मेज़बान संस्थान में अनुसंधान गतविधियिों को शुरू करने में मदद करने की अपेक्षा की जाती है।
- **प्रोत्साहन:**
  - फेलोशपि में **फेलोशपि अनुदान (4,00,000 रुपए प्रतमािह)**, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू यात्रा, आवास तथा आकस्मकि सहायता शामलि होंगी।
  - सहयोगात्मक कार्यों का समर्थन करने के लयि मेज़बान संस्थानों को अनुसंधान अनुदान प्रदान कयिा जाता है।
- **वैभव योजना का महत्त्व:**
  - वैज्ञानकि अनुसंधान में वैश्वकि सहयोग को मज़बूती प्रदान करता है।
  - यह भारतीय शैक्षणकि और अनुसंधान संस्थानों में ज्ञान के आदान-प्रदान एवं वशिषज्ञता को प्रोत्साहति करता है।
- **कार्यान्वयन:**
  - **वज्ञािन और प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के वज्ञािन तथा प्रौद्योगिकी वभिाग द्वारा कार्यान्वति कयिा जाने वाला वैभव फेलोशपि वभिन्नि देशों में अनुसंधान गतविधियिों में संलग्न [भारतीय मूल के उत्कृष्ट वैज्ञानकिों/प्रौद्योगिकीवदिों [अनविासी भारतीयों (NRI)/भारतीय मूल के व्यक्तयिों (PIO)/भारत के प्रवासी नागरकिों (OCI)] को प्रदान कयिा जाएगा।

वज़िटिगि एडवांस्ड ज्वाइंट रसिर्च फैकल्टी योजना क्या है?

- **परचिय:**
  - **वज़िटिगि एडवांस्ड ज्वाइंट रसिर्च (Visiting Advanced Joint Research- VAJRA)** फैकल्टी योजना वशिेष रूप से वदिेशी

वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के लिये एक समर्पित कार्यक्रम है जिसमें प्रमुख रूप से **NRI** तथा **PIO/OCI** पर ज़ोर दिया गया है ताकि वे भारतीय सार्वजनिक वित्त पोषित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में एक विशिष्ट अवधि के लिये सहायक/विज़िटिंग फैकल्टी के रूप में कार्य कर सकें।

  - सहयोगात्मक अनुसंधान के महत्त्व को देखते हुए यह योजना ज्ञान तथा कौशल को अद्यतन करने एवं प्राप्त करने के लिये शोधकर्त्ताओं के बीच जानकारी साझा करने पर ज़ोर देती है और एक साझा समस्या को हल करने के लिये विभिन्न दृष्टिकोण की प्रस्तुति भी करती है।

- संकाय द्वारा किये जाने वाले अनुसंधान का क्षेत्र भारत के लिये हितकर होना चाहिये जिसमें **विज्ञान संबंधी ज्ञान का जीवन में अनुप्रयोग** करना शामिल है।
  - भारत में रहने की अवधि के दौरान संकाय शिक्षण/संबोधक का कार्य भी कर सकता है।
  - फैकल्टी भारत के किसी संस्थान में वर्ष में **न्यूनतम 1 माह तथा अधिकतम 3 माह** की अवधि के लिये कार्य कर सकेगी।
    - भारतीय मेज़बान संस्थान कार्य पूरा होने के बाद भी उसे लंबी अवधि के लिये नियुक्त कर सकता है।
    - संकाय के लिये अंशकालिक पद प्रारंभ में 1 वर्ष के लिये पेश किया जाएगा तथा इसे **प्रत्येक वर्ष नवीनीकृत किया जा सकता** है।

- **प्रस्तावित प्रोत्साहन:**
  - VAJRA संकाय को उनकी यात्रा और मानदेय को कवर करने के लिये एक वर्ष में उनकी सहभागिता के पहले महीने में 15,000 अमेरिकी डॉलर तथा अन्य दो महीनों में 10,000 अमेरिकी डॉलर प्रतिमाह की राशि प्रदान की जाएगी।
    - हालाँकि आवास, चिकित्सा/व्यक्तिगत बीमा आदि के लिये **कोई अलग सहायता प्रदान नहीं की जाती है**, मेज़बान संस्थान अतिरिक्त सहायता प्रदान करने पर विचार कर सकता है।
    - फैकल्टी को भुगतान भारतीय रुपए में किया जाएगा।

- **कार्यान्वयन:**
  - वज्र संकाय योजना [विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी)](#) द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
    - एसईआरबी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का एक **वैधानिक निकाय** है। इसकी स्थापना वर्ष 2008 में संसद के एक अधिनियम **(विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड अधिनियम, 2008**) के माध्यम से की गई थी।
    - एसईआरबी के उद्देश्यों में विज्ञान और इंजीनियरिंग में बुनियादी अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा शोधकर्त्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना शामिल है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की राजनीति एवं अर्थव्यवस्था में भारतीय प्रवासियों को एक निर्णायक भूमिका निभानी है। उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vaibhav-fellowship